

राज्य सेक्टर/आयोजनागत /पुर्नविनियोग
संख्या- 404 /लो.नि.2/03-23 (बजट) /2003

प्रेषक,

टी.के.पन्त,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग,देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक 25 मार्च /2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2003-04 में निर्माणाधीन मार्ग (राज्य सेक्टर) कार्यो हेतु पुर्नविनियोग द्वारा धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-907/लो.नि.2/2003-23 (बजट)/03 दिनांक 12-6-2003,शासनादेश संख्या-1709/लो.नि.-2/03-23 (बजट)/2003 दिनांक 27-9-2003 एवं शासनादेश संख्या 55/लो.नि.-2/03-23 (बजट) /2003 दिनांक 3.2.2004 एवं संख्या-291/लो.नि.-2/04-23 (बजट)2003 टी.सी. दिनांक 28-2-2004 के क्रम में आपके पत्र संख्या-4050/01 बजट (राज्य सेक्टर)/2003-04 दिनांक 23.2.2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है,कि उक्त वर्णित शासनादेशों द्वारा अवमुक्त कुल धनराशि रु0 5695.00 लाख के अतिरिक्त निम्नलिखित मदों की बचतों से पुर्नविनियोग द्वारा रु0 1066.35 लाख (रु0 दस करोड छियालीस लाख पैंतीस हजार मात्र) की धनराशि का व्यय हेतु आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

क्रम सं.	मद का नाम	बजट प्राविधान लाख रु0 में	पुर्नविनियोग में प्रस्तावित धनराशि लाख रु0 में ।
1	2	3	4
1.	उपकरण एवं संयन्त्र का क्रय	600.00	600.00
2.	बाढ़ व भूस्खलन से क्षतिग्रस्त मार्गों का पुनः निर्माण	50.00	50.00
3.	कोनिक स्लिप जोन के उपचार हेतु व्यवस्था	50.00	8.00
4.	सड़क / भवन / सेतु प्रतिकर	400.00	200.00
5.	चालू सेतु कार्य(राज्य सेक्टर)	1200.00	208.35
	योग:-	2300.00	1066.35

2. संलग्न बी.एम.-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तित करने के पश्चात इस वित्तीय वर्ष में उपरोक्त मद में कुल रु0 6731.35 लाख (रु0 सड़सठ करोड इक्कीस लाख पैंतीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु उपलब्ध हो जाती है ।

3. उक्त स्वीकृत धनराशि का सी.सी. एल. के आधार पर कोषागार से आहरण किया जायेगा,यह सुनिश्चित कलिया जाय कि स्वीकृत धनराशि का कार्यवार/खण्डवार आबंटन ऐसी चालू योजनाओं पर शासन की सहमति के प्रथमतः किया जायेगा,जिनमें 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया हो। जिन खण्डों में 75 प्रतिशत या उससे अधिक के कार्य अवशेष नहीं हैं, उन खण्डों में 50 प्रतिशत से अधिक के कार्य किये जायेंगे । कार्यवार,खण्डवार आबंटन कर संकलित प्रस्ताव शासन को एक सप्ताह में उपलब्ध कराया जायेगा ।

4. यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि व्यय चालू कार्य पर कार्य की पूर्व अनुमानित लागत की सीमा तक ही किया जाय । कार्यों पर व्यय लोक निर्माण विभाग के मानक के विषय में शासनादेश के अनुरूप ही किया जायेगा ।
5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनो/पुनरीक्षित आगणनो पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनो पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।
6. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे ।
7. स्वीकृति के एक माह के अन्दर अब तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत कार्यों का विवरण एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा । वर्ष 2003-04 में स्वीकृत धनराशि के विपरीत कार्यों का विवरण व भौतिक प्रगति माह अप्रैल 2004 के प्रथम सप्ताह में उपलब्ध करा दी जायेगी ।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का कार्यवार आबंटन कर वित्तीय /भौतिक लक्ष्यों का विवरण प्राथमिकता के आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा ।
9. इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-22 लेखा शीर्षक-5054 सड़कों एवं सेतुओं पर पूंजीगत परिचय 04-जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800 अन्य व्यय -03 राज्य सेक्टर-01 चालू निर्माण कार्य-24-वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।
10. यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 3198/वित्त अनुभाग-3/2004 दिनांक 20 मार्च 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक:- उपरोक्तानुसार ।

भक्तदीप

(~~वर्तमान~~ पन्त)
संयुक्त सचिव ।

संख्या-404 (1) /लो.नि.2/03 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल, इलाहाबाद
- 2- आयुक्त कुमाऊ मण्डल नैनीताल/पौड़ी
- 3- समस्त जिलाधिकारी /कोषाधिकारी, उत्तरांचल
- 4- मुख्य अभियन्ता गढ़वाल/कुमाऊ क्षेत्र, लो.नि.वि. पौड़ी/अल्मोड़ा
- 5- वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/नैनीताल ।
- 7- लोक निर्माण अनुभाग-1, उत्तरांचल शासन
- 8- श्री एल.एम. पन्त, अपर सचिव, बजट अनुभाग ।
- 9- निजी सचिव, मा. मुख्य मंत्री जी को मा. मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित
- 10- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से

(~~टी.के.पन्त~~)
संयुक्त सचिव ।

उत्तरांचल शासन,
वित्त विभाग अनुभाग-3
संख्या-3198 क/वित्त अनुभाग-3/2003
देहरादून, दिनांक, 20 मार्च-2004

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(के०सी० मिश्र)
अपर सचिव ।

सेवामे,

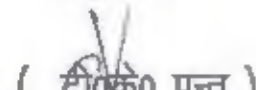
महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
उत्तरांचल, इलाहाबाद/देहरादून ।

संख्या-404 / लो.नि.2/2003-23(बजट)/2003 दिनांक 25 मार्च 2004

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
- 2- मुख्य अभियन्ता स्तर-1, लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 4- वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
- 5- गार्ड बुक ।

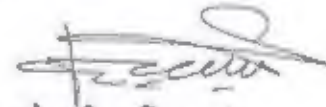
आज्ञा से



(टी०के० पन्त)
संयुक्त सचिव ।

उत्तरांचल शासन,
वित्त विभाग अनुभाग-3
संख्या-3198 क/वित्त अनुभाग-3/2003
देहरादून, दिनांक, 20 मार्च-2004

पुनर्विनियोग स्वीकृत



(के०सी० मिश्र)
अपर सचिव ।

सेवामे,

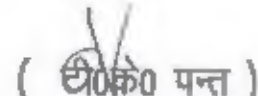
वरिष्ठ कोषाधिकारी,
देहरादून ।

संख्या- 464 / लो.नि.2 / 2003-23(बजट) / 2003 दिनांक 25 मार्च 2004

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
- 2- मुख्य अभियन्ता स्तर-1, लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 4- वित्त अनुभाग-3 / वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
- 5- गार्ड बुक ।

आज्ञा से



(के०सी० पन्त)
संयुक्त सचिव ।

पुनर्विनियोग 2003-2004

आय-व्ययक प्रपत्र-15 पुनर्विनियोग 2003-2004 { धनराशि हजार रुपये में } (अयोजनागत)
नियन्त्रक अधिकारी, मुख्य अभियन्ता स्तर-1, लोक निर्माण विभाग, प्रशासनिक विभाग, लोक निर्माण विभाग, उत्तरांचल शासन ।
अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक

क्रम सं०	बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण ।	मानक मदवार अध्याव-धिक व्यय माह 12 / 03 तक	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि हेतु अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि ।
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	5054-सड़को तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय (आयोजनागत 03-राज्य मार्ग 101-पुल 03 पुलों का निर्माण एवं सुदृढीकरण 00-24 बृहत निर्माण कार्य- 120000 052-मशीनरी तथा उपकरण 04-उपकरण एवं संयन्त्र कय 00- 26-मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयन्त्र-60000 04-जिला तथा अन्य सड़के-800-अन्य	34700	64465	20835	5054-सड़को तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04 जिला तथा अन्य सड़के आयोजनागत कमरा -800 अन्य व्यय -03 राज्य सेक्टर-01 चालू निर्माण कार्य-24-बृहत निर्माण कार्य 106635	673135	99165
			शून्य	60000			शून्य

५

व्यय-05 सड़क/भवन/पुल आदि हेतु भूमि अधिग्रहण-00-24 वृहत्त निर्माण कार्य 40000	-	20000	20000			20000
06-बाड़ व भूखल से क्षतिग्रस्त मार्गों का पुर्ननिर्माण-00-24- वृहत्त निर्माण कार्य 5000	-	शून्य	5000			शून्य
07-कोनिक स्लिप जोन के उपचार हेतु व्यवस्था-00-24- वृहत्त निर्माण कार्य 5000	-	4200	800			4200
230000	34700	88665	106635	106635	673135	123365

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुर्नविनियोग में बजट(मैनुअल) के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(क.सी.मिश्र)
अपर सचिव वित्त

(श्री.क.प्रसाद)
संयुक्त सचिव ।